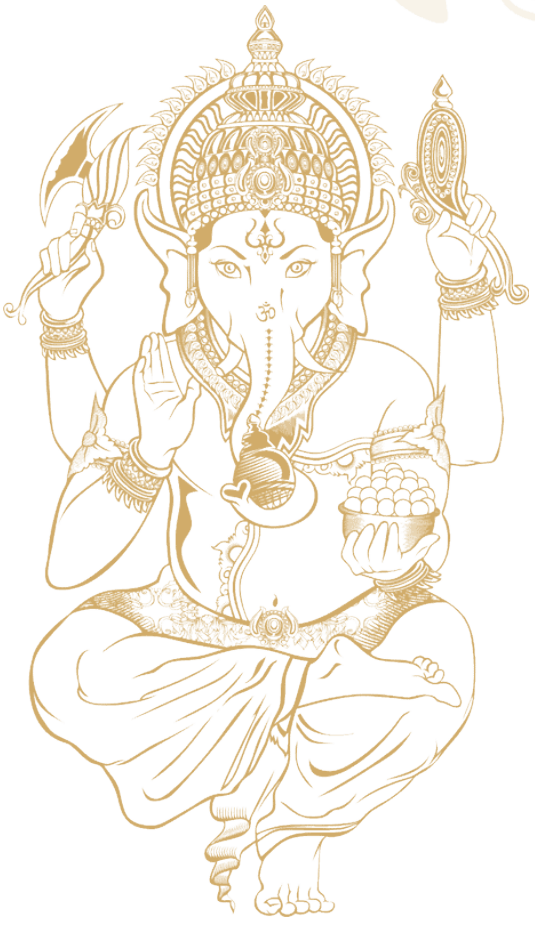

Mr. Prajwal

Ms.ishika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120505602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/11/1999	जन्म तिथि	18/11/2000
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 19:41:01	जन्म समय	19:25:00 घंटे
घटी 33:31:28	जन्म समय(घटी)	32:46:16 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Delhi
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:16:25	सूर्योदय	06:46:31
17:05:49	सूर्यास्त	17:26:08
23:51:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:52

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 2वर्ष 2मा 30दि		09:45:38	मिथु	लग्न	मिथु	03:54:17	केतु 6वर्ष 0मा 8दि	
गुरु		29:55:06	तुला	सूर्य	वृश्चि	02:40:06	शुक्र	
15/02/2020		02:22:56	कुंभ	चंद्र	सिंह	01:51:40	27/11/2006	
15/02/2036		28:46:00	धनु	मंगल	कन्या	15:02:04	27/11/2026	
गुरु	05/04/2022	28:20:33	तुला व	बुध	तुला	13:53:48	शुक्र	29/03/2010
शनि	16/10/2024	03:05:05	मेष व	गुरु व	वृष	13:34:17	सूर्य	29/03/2011
बुध	22/01/2027	14:13:46	कन्या	शुक्र	धनु	12:42:25	चन्द्र	27/11/2012
केतु	29/12/2027	19:02:49	मेष व	शनि व	वृष	03:42:12	मंगल	27/01/2014
शुक्र	29/08/2030	12:51:06	कर्क व	राहु	मिथु	22:56:25	राहु	27/01/2017
सूर्य	17/06/2031	12:51:06	मक व	केतु	धनु	22:56:25	गुरु	28/09/2019
चन्द्र	16/10/2032	19:15:47	मक	हर्ष	मक	23:15:17	शनि	27/11/2022
मंगल	22/09/2033	08:02:57	मक	नेप	मक	10:14:53	बुध	27/09/2025
राहु	15/02/2036	15:51:29	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:15:25	केतु	27/11/2026

लग्न-चलित

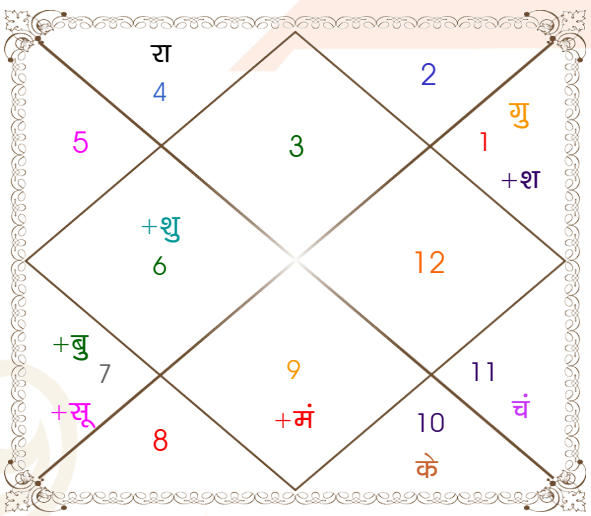

लग्न-चलित

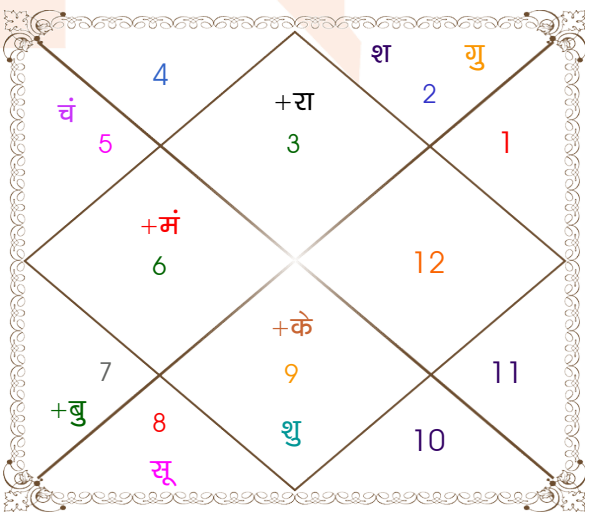

आचार्य दुर्गेश शुक्ल जी महाराज
पीताबरा ज्योतिष सेवा संस्थान
सिद्धार्थ नगर उत्तर प्रदेश भारत
6392281728
shukladurgeshjiastrologer@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

डतण च्तंरूंस का वर्ग मार्जार है तथा Ms.ishika का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण च्तंरूंस और Ms.ishika का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण च्तंरूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डतण च्तंरूंस कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.ishika मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण च्तंरूंस कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् च्तंरूंस तथा Ms.ishika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

आचार्य दुर्गेश शुक्ल जी महाराज
पीताबरा ज्योतिष सेवा संस्थान
सिद्धार्थ नगर उत्तर प्रदेश भारत
6392281728
shukladurgeshjiastrologer@gmail.com